



भारत का राजालय

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 231]

No. 231]

नई दिल्ली, मार्गशीर्ष, मई 5, 1987/वसाख 15, 1909

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 5, 1987/VAISAKHA 15, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली है जिससे कि यह अलग संकलन के लिए बने रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विसंगत संकलन
(राजस्व विभाग)
नई दिल्ली, 5 मई 1987
अधिकृतवानः

(सं. 198/87-सीमा शुल्क)

सा.का.नि. 456(म)—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1982 (1982 का 52) की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा प्रबल अधिकारी का प्रयोग करते हुए, यथा यह संभावना हो जाने पर कि लोक-हित में ऐसा करना आवश्यक है, इस अधिकृतवान के उपायक्रम में विनियिष्ट माल को जिसे (इसमें इसके परवात उक्त माल कहा जाता है) जब उनका भारत में भारत सरकार, बंगलादेश सरकार द्वारा जोक मूल्यना में पीएल/89/पाइ दी गई (पी.एन.)/1974 तारीख 10 अक्टूबर, 1984 में अधिकृत मुक्त व्यापार जीन में ग्राम्यपालों के विनियिष्ट के लिए आयात और निर्यात नीति, 1984-85 के उपायक्रम-20 से 22 के अनुसार, सीमा के अधीन साताशुल्क इलेक्ट्रॉनिक नियाति प्रसंकरण जीन (जिसे इसमें इसके परवात उक्त अंत कहा जाता है) में स्थापित रहत और ग्राम्यशुल्क यूनिटों द्वारा या उनकी ओर से प्राप्ति किया जाए, सीमा शुल्क

टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पदी राजस्वी द्वारीन उस पर उद्यग्नीय सम्पूर्ण सीमाशुल्क और उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उस पर उद्यग्नीय अनियिक शुल्क से, यदि कोई ही नियन्त्रित जीन के अधीन रहते हुए, कुछ देती है, अवश्यः—

- (1) आयातकर्ता को उक्त जीन में विनियिष्ट शूलिंग द्वारा अधिकृत करने के लिए अधिकृत किया गया है;
- (2) आयातकर्ता, जो कहीं अपेक्षित हो, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किसी माध्यारण या विनियिष्ट अनुमति पत्र के अन्तर्गत प्राप्त है;
- (3) आयातकर्ता को उक्त माल को आयात करने के लिए प्राप्त अनुमति मंत्री की गई है;
- (4) आयातकर्ता 0.999 की विशुद्धता और शुद्धता धाने स्तर का भारतीय स्टेट बैंक या भारत सरकार के धारिण्य संकालन द्वारा इस प्रयोजन के लिए अधिकृत किया गया अन्य अभिकरण के माध्यम के सिवाय आयात नहीं करेगा और भारत सरकार की टकसाल, मुम्हर्ड द्वारा, ऐसी विशुद्धता और शुद्धता जो स्वर्ण पर पहचान विद्युत-स्थित किया जाए, है;

(5) आयातकर्ता, सहायक सीमाशुल्क आयुक्त का यह समाधान करता है कि इस प्रकार आयातित माल का उपयोग भारत के बाहर निर्यात के लिए रत्न और आभूषणों के विनिर्माण या पैकिंग करने या रत्न और आभूषणों के ऐसे निर्यात का संबंधन करने के संबंध में किया जाएगा;

(6) आयातकर्ता, ऐसे प्रवृत्त और ऐसी रायि के लिए, जो उक्त जीत के विकास आयुक्त द्वारा विनिविष्ट की जाए, एक बंद्रपत्र निष्पादित करने के लिए करार करता है जिसमें वह निर्यात वाध्यताओं का पालन करने और अन्य बातों के साथ साथ इस अधिसूचना के अनुबद्ध शर्तों का पालन करने के लिए स्वयं को आवद्ध करता है;

(7) आयातकर्ता उक्त जीत में माल को लाने और उक्त जीत के भीतर, भारत के बाहर निर्यात के लिए रत्न और आभूषणों का विनिर्माण या पैकिंग करने या रत्न और आभूषणों के ऐसे निर्यात के संबंधन करने के लिए उनका उपयोग करने के लिए, करार करता है;

(8) आयातकर्ता, उक्त जीत के भीतर विनिर्माण या पैकिंग के लिए गए सभी भाल का भारत के बाहर निर्यात करने के लिए करार करता है;

(9) आयातकर्ता, माल के आयात उपयोग और उपयोग का तथा अपने द्वारा किए गए निर्यात का समुचित लेखा रखेगा, और ऐसा लेखाल समय पर सहायक सीमाशुल्क आयुक्त को, ऐसे प्रलय में और ऐसी नीति से प्रनुक्त करेगा जो गोमाशुल्क आयुक्त द्वारा अधिकथित द्वारा अधिकथित की जाए;

(10) उक्त जीत में विनिर्माण रत्न और आभूषण, जिसके अंतर्गत प्रतिक्रियित माल भी हैं जो भारत में किसी अन्य स्थान में (अर्थात् घरेलू ट्रैफिक क्षेत्र) किसी भी प्रयोजन के लिए नहीं सामा जाएगा;

(11) उस दशा में जब कोई यूनिट अपना प्रबालन बंद करती है, आभूषणों के विनिर्माण के लिए स्वर्ण, अन्य बहुमूल्य धातुएं मिश्रधातु, रत्न और सामग्री भारत सरकार के वाणिज्य भवालय द्वारा इस निमित्त सामनिविष्ट अधिकरण को सौंप दी जाएगी;

(12) विनिर्माण प्रक्रिया में हुई स्वर्ण की हूनि, जो जड़ाऊ आभूषणों की दशा में 3% से और हस्ताक्षिप्त या भवीत निर्माण साधा आभूषणों की दशा में 2% से अनुक्रिय होगी, सहायक सीमाशुल्क आयुक्त द्वारा ऐसी शर्तों को पूरा करने पर, जो विनिविष्ट की जाए, अनुज्ञात की जाएगी; और जावने और जड़ाई और ऐसी ही दशा में अनुज्ञात अप्रविष्ट का अधिकरण निर्यात की गई प्रत्येक जांच और जड़ाई के बीच ही स्वर्ण की अंतर्बस्तु के भार के आधार पर किया जाएगा;

(13) इस अधिसूचना के प्रधीन निर्यात, केवल मुख्य विमान पत्रक से, आम भावे द्वारा किया जाएगा;

(14) आयातकर्ता, मांग किए जाने पर, निम्नलिखित पर उद्घट्याय शुल्क के बराबर रकम का संदर्भ करेगा;

(क) ऐसे माल पर जो ऐसी पूंजी माल है, जिसके बारे में राहायक सीमाशुल्क कलक्टर के समाधानप्रब रूप से यह साबित नहीं होता है कि वह माल :

(1) उक्त जीत के भीतर संस्थापित किया गया है या अन्यथा उपयोग में लाया गया है या उसके आयात की तारीख से एक वर्ष के भीतर या बड़ाई गई अपधि के भीतर,

जिसे सहायक सीमाशुल्क कलक्टर, अपना यह समाधान हो जाने पर कि उक्त जीत के भीतर उपका पुनः निर्यात न किए जाने का पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करे;

(2) उक्त जीत के भीतर संस्थापित या उपयोग किए जाने के पश्चात जीत के भीतर प्रतिवारित किया गया है;

(3) पूंजी माल से भिन्न, ऐसे माल पर जिसके बारे में सहायक सीमाशुल्क कलक्टर के समाधानप्रब रूप में यह साबित नहीं होता है कि वह माल :

(1) भारत के बाहर निर्यात के लिए उक्त जीत के भीतर रत्न और आभूषण के विनिर्माण या पैकिंग के संबंध में या ऐसे माल के निर्यात के संबंधन के लिए उपयोग किया गया है, या उसके आयात की तारीख से एक वर्ष के भीतर या ऐसी बड़ाई गई तारीख अपधि के भीतर जिसे सहायक सीमाशुल्क कलक्टर, अपना यह समाधान हो जाने पर कि उक्त अपधि के भीतर उपका उपयोग न किए जाने या उसका पुनः निर्यात न किए जाने का पर्याप्त कारण है, प्रसुजात करे, पुनः निर्यात किया गया है;

(2) रत्न और आभूषण के निर्यात के संबंध में उक्त जीत के भीतर प्रतिवारित किया गया है।

स्पष्टीकरण: इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ सांताकृष्ण स्पेक्ट्रालिनिक निर्यात प्रसंस्करण जीत में, भारत सरकार के वाणिज्य भवालय (राजस्व विभाग) की समय समय पर यथा संसोधित अधिसूचना से, 227 सीमाशुल्क/79 तारीख, 30 नवम्बर, 1979 के पैरा 2 में यथाविनियाप्त सीमाबद्ध स्थान समाविष्ट होंगे।

उपायवर्त्त

माल का वर्णन

- पूंजी माल
- कच्ची सामग्री
- पटक
- उत्पादन मरीनरी के प्रतिरिक्ष पुर्जे
- माल के विनिर्माण के लिए अप्रेक्षित उपयोग
- श्रीजार, जिग, प्रसापी, शूडानार, सांडे डाई, गंत और उपसाधन
- पैकिंग सामग्री
- आविध प्रलय और तकनीकी नमून
- विदेशी लेखा द्वारा परिवान या भग्नमत के लिए लेने में अधिकल रहने पर उक्त जीत से आयात किए जाने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर पुनः आयातित माल

[सं. 198/87-सीमाशुल्क एक सं. 308/84/86-एक दी दी]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 5th May, 1987

NOTIFICATION

No. 196/87-CUSTOMS

G.S.R. 456(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government,

being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the goods specified in the Annexure to this notification (hereinafter referred to as the said goods), when imported into India by or on behalf of the gem and jewellery units set up in Santa Cruz Electronic Export Processing Zone (hereinafter referred to as the said Zone) under the Scheme, for the manufacture of jewellery in free trade zones notified by the Government of India, in the Ministry of Commerce in Public Notice No. P.N. 59/ITC(PN)1984, dated the 10th October 84, as Annexure V to Appendix 22 of the Import and Export policy, 1984-85, from the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), and from the whole of the addition duty, if any leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely:—

- (i) the importer has been authorised to establish manufacturing unit or units in the said Zone;
- (ii) the importer is covered wherever required by a general or specific permit issued by the Reserve Bank of India;
- (iii) the importer has been granted necessary licence, for the import of the said goods;
- (iv) the importer shall not import gold of 0.999 fineness and purity except through the State Bank of India or any other Agency designated for the purpose by the Government of India in the Ministry of Commerce and the identification mark on the gold of such fineness has been stamped by the India Government Mint, Bombay;
- (v) the importer satisfies the Assistant Collector of Customs that the said goods so imported shall be used in the manufacture or packaging of gem and jewellery for export out of India, or for the promotion of exports of gem and jewellery;
- (vi) the importer agrees to execute a bond in such form and or such sum as may be specified by the Development Commissioner of the said Zone binding himself to fulfil the export obligation & to fulfil inter alia, the conditions stipulated in this notification;
- (vii) the importer agrees to bring the goods into the said Zone and use them within the said Zone in the manufacture or packaging of gem and jewellery for export out of India or for the promotion of such exports of gem and jewellery;
- (viii) the importer agrees to export out of India all goods manufactured or packaged within the said Zone;
- (ix) the importer shall maintain a proper account of import, consumption and utilisation of the goods and of exports made by him and shall submit such account periodically to the Assistant Collector of Customs.

in such form and in such manner, as may be laid down by the Collector of Customs;

- (x) gem and jewellery, including the rejects, manufactured in the said Zone, shall not be brought to any other place in India (that is to say the Domestic Tariff Area) for whatever purpose;
- (xi) in the event of such a Unit ceasing its operation, gold, other precious metals, alloys, gem and material for the manufacture of jewellery shall be handed over to the Agency, nominated in this behalf by the Government of India in the Ministry of Commerce;
- (xii) the loss of gold in the manufacturing process, not exceeding 3 per cent in the case of studded jewellery, and 2 per cent in the case of handicrafted or machine-made plain jewellery, may be allowed by the Assistant Collector of Customs subject to fulfilment of such conditions as he may specify: and in the case of findings and mountings and the like, the wastage allowed shall be determined on the basis of the weight of the gold content of each findings, mountings and the like exported;
- (xiii) export under this notification shall be allowed only by air freight through the Bombay Airport;
- (xiv) the importer shall pay, on demand, an amount equal to the duty leviable:—
 - (a) on goods which are capital goods as are not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been:—
 - (i) installed or otherwise used within the said Zone or re-exported within a period of one year from the date of importation thereof or within such extended period as the Assistant Collector of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them within the said Zone or for not re-exporting them within the said period, allow;
 - (ii) retained within the said Zone after installation or use inside the said Zone;
 - (b) on goods, other than capital goods as are not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been:—
 - (i) used in connection with the manufacture or packaging of gem and jewellery within the said Zone for export out of India or for the promotion of export of such goods on re-exported within a period of one year from the date of importation thereof or within such extended period as the Assistant Collector of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them or for not re-

exporting them within the said period, allow:

(ii) retained within the said Zone in connection with the promotion of exports of gem and jewellery.

EXPLANATION: For the purposes of this notification, the Santa Cruz Electronic Export Processing Zone shall comprise of the places enclosed by the boundaries as specified in paragraph 2 of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 227-Customs/79 dated the 30th November, 1979 as amended from time to time.

ANNEXURE

Description of goods

1. Capital goods.
2. Raw Materials.
3. Components.
4. Spares of production machinery.
5. Consumables required for manufacture of goods
6. Tools, Jigs, Gauges, Fixtures, Moulds, Dies, Instrument and Accessories.
7. Packaging Materials.
8. Prototypes and technical samples.
9. Goods de-imported within one year from the date of exportation from the said Zone due to the failure of the foreign buyer to take delivery or for repairs.

[No. 196/87-Customs F. No. 305/84/86-FTT]

भारत सरकार

म. का. सि. 197/87—सीमांशुलक

मा. का. सि. 437 (प्र) के प्रतीक्षा सरकार, वित्त विभाग, 1987 के अंक 95 के उपलब्ध (4), जो बंद घरनियम कर संबंधित घरनियम,

1931 (1931 का 16) के अधीन उत्तर विभाग में जी गई घोषणा के प्राप्ति पर विधि जन यत्न रखना है, के माध्यम पांडित सीमांशुलक घरनियम, 1962 (1962 का 52) की घोग 25 की उपलब्ध (1) वाला प्रवत्त घरनियम का प्रयोग फलते हुए, प्रत्यावर्त समाप्ति हो जाने पर कि लोकसभा में दूसरा कारना भारतीय है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की घरनियम म. 113/87—सीमांशुलक, तारीख 1 मार्च, 1987 से नियमिति और संशोधन करनी है, अर्थात्—

उक्त घरनियम की अनुसूची में, 295 कम से, और उससे संबंधित प्रविधियों के वज्राल नियमिति कम से, और प्रविधि प्रस्तावित की जाएगी, अर्थात्—

296 "म. 196/87—सीमांशुलक, तारीख 5 मई, 1987"

[म. 197/87—सीमांशुलक का. सि. 305/84/86-एफ, दी टी]

मार. के. कपूर, भवर सचिव

NOTIFICATION

No. 197/87-CUSTOMS

G.S.R. 457(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) read with sub-clause (4) of clause 95 of the Finance Bill, 1987 which clause has, by virtue of the declaration made in the said Finance Bill under the Provisional Collection of Taxes Act 1931 (16 of 1931), the force of law the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. 113/87-Customs dated the 1st March, 1987, namely—

In the Schedule to th said notification,— after Serial No. 295 and the entry relating thereto, the following Serial No. and entry shall be inserted namely:—

"296 No. 196/87-Customs, dated 5th May 1987.

[No. 197/87-Customs F. No. 305/84/86-FTT]
R. K. KAPOOR, Under Secy.